गन्ने का एफआरपी पांच रुपये प्रति क्विंटल बढ़ा

केंद्रीय मंत्री बोले, देशभर के 5 करोड़ किसानों को होगा लाभ

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गन्ने का उचित व लाभकारी मूल्य (एफआरपी) पांच रुपये बढ़ाकर 290 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है। केंद्रीय कैबिनेट की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने बुधवार को पेराई सत्र 2021-22 (अक्तूबर-सितंबर) के लिए इस फैसले पर मुहर लगाई। सात साल के दौरान एफआरपी में प्रति क्विंटल 80 रुपये तक बढ़ोतरी हुई है।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बताया, इसका लाभ देश के पांच करोड़ गन्ना किसानों को मिलेगा। इसका चीनी मिलों और करीब पांच लाख श्रमिकों को भी परोक्ष लाभ मिलेगा। गोयल ने कहा, सरकार ने हमेशा गन्ना किसानों की हितों का ख्याल रखा है। वर्ष 2013-14 में गन्ने का एफआरपी 210 रुपये प्रति क्विंटल था। बीते सात सालों में गन्ना मूल्य में 38 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। ब्यूरो

80 रुपये की बढ़ोतरी बीते सात साल में

इन्हें मिलेगा लाभ : 290 रुपये प्रति क्विंटल का भाव उन्हीं किसानों को मिलेगा, जिनके गन्ने से प्रति क्विंटल 10% चीनी का उत्पादन होगा।

- गन्ने से चीनी की रिकवरी 9.5 फीसदी या इससे कम रहेगी, उन्हें 275 रुपये के भाव से ही भुगतान।

5000 करोड़ का भुगतान बाकी

वर्ष 2019-20 में गन्ना किसानों को 76,000 करोड़ का भुगतान करना था। इनमें अब 142 करोड़ रुपये का भुगतान करना ही बाकी है। इसके अलावा चालू वर्ष 2020-21 के दौरान गन्ना किसानों को 91000 करोड़ रुपये का भुगतान होना था, जिनमें से 86000 करोड़ रुपये का भुगतान हो चुका है।

यूपी में बढ़ेगा गन्ना मूल्य, किसानों के बिजली बकाये के लिए लाएंगे ओटीएस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के गन्ना किसानों को राहत देने के लिए सरकार गन्ना मूल्य बढ़ाएगी। पेराई के नए सत्र से पहले गन्ना किसानों का पिछला बकाया भुगतान करा दिया जाएगा। किसानों के बिजली के पुराने बिल पर ब्याज में छूट देने के लिए सरकार एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) लागू करेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को किसान नेताओं के साथ बातचीत में कहा कि किसानों के खिलाफ फसल जलाने के आरोप में दर्ज मुकदमे वापस लिए जाएंगे। उनसे वसूला गया जुर्माना भी किसानों को लौटाया जाएगा।

- सीएम योगी ने कहा, पश्चिमी क्षेत्र की चीनी मिलें 20 अक्तूबर, मध्य क्षेत्र की 25 अक्तूबर से और पूर्वी क्षेत्र की मिलों का संचालन नवंबर के पहले सप्ताह से शुरू हो जाएगा। ब्यूरो